सीता राम सीता राम कहिये

सीता राम सीता राम कहिये.
जाहि विधि रखे राम ताहि विधि रहिये

मुख में हो राम नाम राम सेवा हाथ में तू अक्लेया नही प्यारे राम तेरे साथ में
विधि का विधान जान हानि लाभ सहिये
जाहि विधि रखे राम ताहि विधि रहिये

किया अभिमान तो फिर मान नही पायेगा
होगा वाही प्यारे जो श्री राम जी को भाये गा,
हल आशा त्याग शुभ काम करते रहिये
जाहि विधि रखे राम ताहि विधि रहिये

जिन्दगी की डोर सोंप हाथ दीना नाथ के
मेह्लो में राखे चाहे झोपडी में वास दे
धन्ये वाद नीर विवाद राम राम कहिये
जाहि विधि रखे राम ताहि विधि रहिये

आशा एक राम जी से दूजा आशा छोड़ दे
नाता एक राम जी से दूजा नाता तोड़ दे
साधू संग अंग अंग राम रंग रंगिये
जाहि विधि रखे राम ताहि विधि रहिये

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/16691/title/sita-ram-sita-ram-kahiye

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |